

**भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी का वृन्दावन चन्द्रोदय मंदिर दौरा।**  
**भगवान श्रीकृष्ण के दुनिया में सबसे ऊँचे स्काईस्क्रेपर मंदिर में अनंत शेष स्थापना पूजा।**

मथुरा, 16 नवम्बर।

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने आज वृन्दावन में परम्परागत ढंग से अनंत शेष स्थापना पूजा करके वृन्दावन चन्द्रोदय मंदिर की आधारशिला रखी। श्री मुखर्जी ने ठा0 बांकेबिहारी मंदिर में जाकर भगवान श्री कृष्ण के दर्शन कर पूजाअर्चना की।

रविवार को पूर्वान्ह माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी वृन्दावन में बनायी गयी भगवान श्री कृष्ण के दुनिया के सबसे ऊँचे स्काईस्क्रेपर मंदिर वृन्दावन चन्द्रोदय मंदिर में “अनंत शेष स्थापना पूजा” के अवसर पर वृन्दावन पहुँचे। श्री मुखर्जी ने इस अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति “वसुधैव कुटुम्बकम्” के सिद्धान्त पर आधारित है तथा आज का ऐतिहासिक दिन इसी परम्परा एवं प्राचीन सभ्यता का स्वर्णिम अध्याय है।

माननीय राष्ट्रपति ने कहा कि भारत जहाँ अनेकता में एकता के लिए विश्व प्रसिद्ध है वही मथुरा-वृन्दावन पूरे विश्व में शांति, सद्भावना धार्मिक सहिष्णुता एवं विश्व बंधुत्व के लिए सुविख्यात है। यहाँ आकर धार्मिक स्थलों पर दर्शन करने वालों को एक असीम आत्म शांति प्राप्त होती है।

श्री प्रणब मुखर्जी ने कहा कि जहाँ हमारा देश अपनी प्राचीन सभ्यता एवं गौरवशाली इतिहास के लिए विश्व प्रसिद्ध है वही वर्तमान युग में हमारी अर्थव्यवस्था विकासशील देश से विकसित देश की श्रेणी में तेजी से अग्रसर हो रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार मथुरा एवं वृन्दावन क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के साथ साथ आमजन की भलाई हेतु विभिन्न विकासपरक एवं कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है।

30प्र0 के माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक ने राष्ट्रपति के मथुरा आगमन पर प्रदेश की जनता की ओर से उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सभी लोगों के लिए आज का दिन स्वर्णिम दिवस है, चन्द्रोदय मंदिर की स्थापना पूजा में उपस्थिति उनके जीवन के लिए अहोभाग्य है। श्री नाईक ने कहा कि देश के राष्ट्रपति को देश की प्राचीन संस्कृति के प्रति असीम आस्था है, 30प्र0 की ओर से उनका स्वागत, अभिनन्दन है।

राज्यपाल ने स्वतंत्र भारत में सोमनाथ मंदिर के पुर्ननिर्माण में पूर्व राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद के प्रयासों की चर्चा की और कहा कि आज का दिन बड़ा ही गौरवशाली है जब देश के मौजूदा राष्ट्रपति द्वारा चन्द्रोदय मंदिर की आधार शिला रखी गयी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह मंदिर स्थापत्य कला, मूर्ति कला एवं संस्कृति का अद्वितीय प्रतीक होगा। उन्होंने कहा कि 30प्र0 में ताजमहल के बाद यह मंदिर भी पर्यटन क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखेगा। उन्होंने इस भव्य मंदिर के समय से पूरा होने के लिए मंगल कामनाएं व्यक्त की।

चन्द्रोदय मंदिर के चेयरमैन मधु पंडित दास ने बुके भेट कर राष्ट्रपति का स्वागत किया। उन्होंने कहा यह केवल एक मंदिर नहीं अपितु आधुनिक संदर्भ में भगवत गीता तथा श्रीमद् भागवतम के संदेश को मन में बिठाने का ऐसा प्रभावशाली मंच है जो हमारे देश के युवाओं को नैतिक व आचार संबंधी ढाँचे को प्रभावित करने में मदद करेगा।

वृन्दावन चन्द्रोदय मंदिर के अध्यक्ष ने आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि यह मंदिर श्री कृष्ण तथा वृन्दावन के सभी श्रद्धालुओं के लिए महत्वाकांक्षी परियोजना है। यह मंदिर भारत के युवाओं को बेहतरीन चरित्र तथा जीवन के पवित्र मूल्यों वाला जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रमुख भूमिका अदा करेगा। इससे पूर्व माननीय राष्ट्रपति एवं माननीय राज्यपाल ने वृन्दावन चन्द्रोदय मंदिर में अनन्त शेष स्थापना पूजा कर के मंदिर की आधारशिला रखी।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर की ओर से माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक, उ०प्र० के कारागार मंत्री बलराम यादव, सांसद हेमामालिनी, आस्कर फर्नांडिस, विधायक प्रदीप माथुर एवं राजकुमार रावत को बुके भेट कर, नीलाम्बर उढाकर तथा भागवत भेट कर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ एवं अंत में स्कूली छात्रों ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के बाद माननीय राष्ट्रपति ने वृन्दावन स्थित ठा० बांके बिहारी मंदिर जाकर भगवान श्री कृष्ण के दर्शन किये और विधिविधान से पूजा अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया।

माननीय राष्ट्रपति के चन्द्रोदय मंदिर स्थित हैलीपेड आगमन पर ए०डी०जी० गोपाल गुप्ता, आई०जी० सुनील कुमार गुप्ता, मण्डलायुक्त प्रदीप भटनागर, डी०आई०जी० लक्ष्मी सिंह, जिलाधिकारी राजेश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजिल सैनी, वरिष्ठ सेना अधिकारियों आदि ने उनकी अगवानी कर स्वागत किया।

-----









